मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

05 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27 वां स्थापना दिवस समारोह

2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी भूमिका का निर्वाह करे– राज्यपाल

मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित–जे पी नड्डा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27वां स्थापना दिवस समारोह दिनांक 05 नवंबर, 2024 को आयोजित हुआ। स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की।

मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी रहे। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। तिलक हाल में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने की।

उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने तथा कुलगीत निकेत सिंह ने प्रस्तुत किया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

उद्घाटन सत्र का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल

कुलगीत प्रस्तुत करते हुए निकेत सिंह

मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

वाचिक स्वागत करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा एक सजग माध्यम है : अनंत विजय

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय ने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक एवं भाषाई विरासत पर गर्व करना चाहिए। उच्च शिक्षा की विसंगतियों को दूर करने के लिए वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा एक सजग माध्यम है। उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक तथ्यों के साथ–साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में शिक्षकों को अपने छात्रों को जानकारी देनी चाहिए। श्री विजय ने कहा कि अकादमिक जगत और साहित्य में राष्ट्र, समाज और देश के प्रति दायित्व बोध आवश्यक है।

श्री विजय ने कहा कि अकादमिक जगत और साहित्य में राष्ट्र, समाज और देश के प्रति दायित्व बोध आवश्यक है।

मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक है : डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय सिर्फ योजनाओं का निर्माण ही नहीं कर रहा है बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरुप योजनाओं एवं शिक्षण प्रक्रिया का क्रियान्वयन भी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक है। वर्तमान समय में रोजगार परक एवं कौशल विकास के पाठ्यक्रमों के जरिए जन जन तक उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार आवश्यक है।

मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित–जे0 पी0 नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपना वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि शिक्षा में तकनीक, प्रौद्योगिकी और भारतीय ज्ञान परंपरा के समागम की परिणीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम के जरिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित है। हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के जरिए अमृत काल में देश का युवा विकसित भारत का निर्माण कर सकता है।

2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी भूमिका का निर्वाह करे– राज्यपाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस समारोह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए मंगलवार को कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा रूपी प्रकाश की रश्मि से जीवन को प्रकाशमान करने का कार्य कर रहा है। अभी कुछ दिनों पूर्व हमने दीपावली का पर्व मनाया है । सभी जगह प्रकाश फैलाकर अंधकार को दूर किया है उसी प्रकार हमें शिक्षा का प्रकाश फैला कर अशिक्षा बेरोजगारी एवं अज्ञान का अंधकार मिटाना है।

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि शिक्षा सभी नागरिकों का मूलभूत अधिकार है। किसी भी देश के विकास का पैमाना वहां के लोगों के शैक्षिक होने की दर है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो संस्कारित हो और देश प्रेम के सद्गुणों को विकसित करे। राज्यपाल ने कहा कि 2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। अभी कुछ दिनों पूर्व अयोध्या में अवध विश्वविद्यालय में बहुत अच्छा कार्य किया।

मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

छात्रों को नवीन जानकारियां देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूर शिक्षा विशिष्ट प्रकार की शिक्षा पद्धति है, जो वर्तमान में सर्वाधिक प्रासंगिक है। विश्वविद्यालय का निर्माण इमारतों से नहीं बल्कि शिक्षकों एवं छात्रों से होता है। विश्वविद्यालय तकनीक युक्त नई योजनाओं पर कार्य कर रहा है। एक ओर जहां भारतीय ज्ञान परंपरा स्थानीय भाषाओं और संस्कृति से जुड़े पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है, वहीं तकनीक स्वास्थ पोषण और विज्ञान के क्षेत्र में भी छात्रों को नवीन जानकारियां देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों को आपसी रिश्तो में संवेदनशील और राष्ट्र निर्माण के प्रति सजग होना होगा तभी हम नए मानक स्थापित कर पाएंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

भारतरत्न राजर्षि पुरुषेत्तम दास टण्डन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण

तकनीकी सत्र

मुक्त विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27वां स्थापना दिवस समारोह दिनांक 05 नवंबर, 2024 को तकनीकी सत्र में स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान आयोतिज हुआ। प्रथम व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे जी रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने किया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने तथा विषय प्रवर्तन प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने किया। वाचिक स्वागत डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। स्थापना दिवस के प्रारंभ में अतिथियों ने राजर्षि टंडन जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पण किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

वाचिक स्वागत करते हुए प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

विषय प्रवर्तन करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

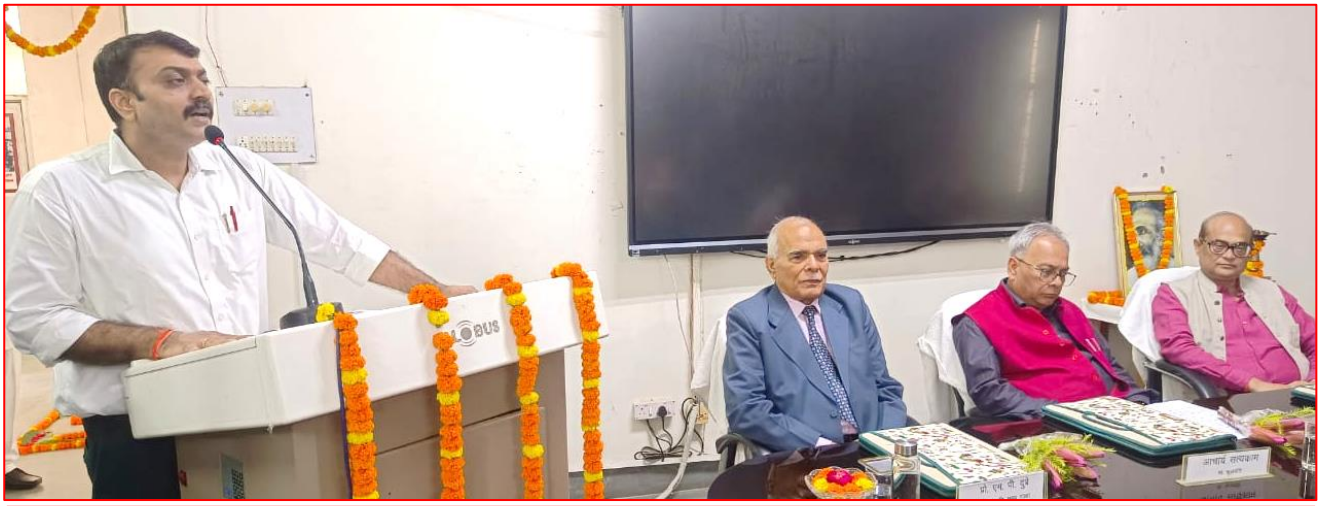

अतिथि परिचय देते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

दूरस्थ शिक्षा नयापन एवं विविधताओं का मार्ग प्रशस्त करती है : प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे

स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा नयापन एवं विविधताओं का मार्ग प्रशस्त करती है। नई शिक्षा नीति की व्यवस्थाओं के अनुरूप मूक्स, कृतिम मेधा और तकनीक का ज्ञान दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है।

प्रोफेसर दुबे ने कहा कि विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक ज्ञान, वैज्ञानिकता, रचनात्मकता, जीवन जीने की कला, वर्तमान चुनौतियों से निपट कर एक उज्जवल भविष्य के सपने को साकार करने में दूरस्थ शिक्षा सक्षम है।

मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रोफेसर ए0 के0 मलिक

विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति को हमें तकनीक आधारित बनाना है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति को हमें तकनीक आधारित बनाना है क्योंकि बिना तकनीक के दूरस्थ शिक्षा पद्धति अधूरी है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को इसके लिए आत्म मंथन करना चाहिए।

उन्होंने स्थापना दिवस पर राजर्षि टंडन को स्मरण करते हुए कहा कि जितना बड़ा राजर्षि टंडन जी का नाम है उतनी साख इस विश्वविद्यालय की भी होनी चाहिए। जिसके लिए हम सभी लोगों को मिलजुल कर बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करना होगा।

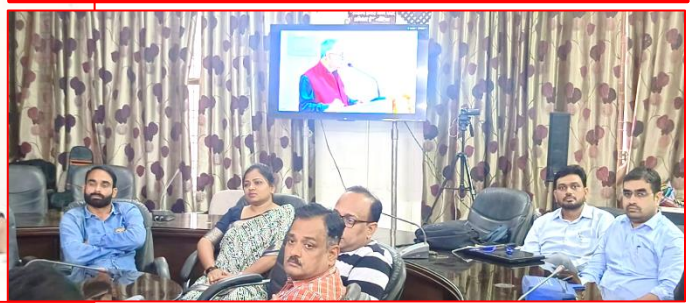

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान